किंग
कॉमिक्स
मूल्य 7.00 संख्या 21

इंटरशार्क फोर्स

मानाहारी का
हंटर शार्क फोर्स
कृषि अनुसंधान विभाग में कार्यरत डॉ॰ हरबंस खुराना वर्षों से जुटे थे जेनेटिक म्यूटेशन द्वारा नये क्रांतिकारी गुणों वाले पेड़-पौधों के विकास में। परीक्षण संकेत दे रहे थे कि रंग लाने वाली है उनकी तपस्या और होंगे साकार सपने...
कल्पना करो, कुतुब मीनार से भी पांच-छः गुणा ऊंचे पेड़, जिन पर लगे होंगे बीस-बीस तीस-तीस किलो के फल... एक ही पेड़ पूरे नगर की लकड़ी की आवश्यकतायें पूरी करने के लिये काफी...
तुम कल्पना करो कि तुम्हारा सिर फट गया है और उसमें से भेजा बाहर निकल रहा है!

लेकिन हमारे देश में राजनीति और भ्रष्टाचार कभी कर्मयोगियों को सफल होने देते हैं?
यह क्या? मेरी ड्यूटी रिसर्च से हटाकर रिक... भाग में लगा दी गयी है?
अशोक, तुम कोर्स पूरा करके अपना कैरियर यहां नष्ट मत करना! यूरोप चले जाना--- अमरीका चले जाओ!
खुराना सीधे विभाग महानिदेशक के कार्यालय गये और ---
मैं नौकरी से त्यागपत्र दे रहा हूं, सर!
वैल...
डॉ. खुराना ने प्रॉविडेंट फंड, बचत व अपनी लिखी पुस्तकों के कॉपीराइट बेचकर, सारा पैसा जोड़कर महरौली में एक छोटा-सा फार्म खरीद लिया और वहीं बना डाली अपनी निजी प्रयोगशाला-
वैलकम टू 'खुराना जैनेटिक म्यूटेशन रिसर्च फार्म'। अब हम यहीं प्राइवेट अनुसंधान करके वह सारे सपने पूरे करेंगे।

यह हमारी हंटर कुतिया लाइका है। पूरे फार्म की सुरक्षा की जिम्मेदारी इसी पर है जनाब।
और यह हमारी बिल्ली मैटी। इसे अंऽऽऽ... मेरी प्राइवेट सेक्रेटरी समझलो।
अब एक ही समस्या है हमारी। रिसर्च आगे बढ़ाने के लिये धन की आवश्यकता है.. कोई स्पांसर मिल जाता तो...
एक शुभ दिन स्पांसर भी फार्म पर आ टपका–
मैं एम. एल. सपोला हूं... प्रॉपराइटर ब्लू मैक्स ऐग्रो इंडस्ट्रीज। आपके रिसर्च से बहुत प्रभावित हूं मैं... स्पांसर भी कर सकता हूं मैं....।
आपसे मिल कर बड़ी खुशी हुई मुझे मिस्टर सपोला।
डॉ. खुराना को अपने सारे सपने साकार होते नजर आने लगे। स्पांसरशिप की शर्तें तय होते देर नहीं लगी–
आनन-फानन में एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर हो गये दोनों के।
थैंक्यू मि. सपोला
मिस्टर सपोला नहीं, अब पार्टनर कहो, खुराना।

हुर्रे!
स्पांसरशिप की शर्तों के अनुसार सपोला के दो जूनियर वैज्ञानिक खुराना के सहायकों के रूप में काम करने आ गये–
मेरा नाम माइकेल है सर और इसका रंगनाथ !
वेलकम ! यह लैब से आगे वाला कमरा तुम दोनों का होगा·· ठीक ?
कुछ सप्ताह बाद ही–
अच्छा हुआ ठीक समय पर स्पांसर मिल गया वर्ना इतने बड़े परिवार का बोझ कैसे उठाता मैं ? देखो न···
·· हमारी लाइका ने छः प्यारे-प्यारे पिल्लों को जन्म दिया है ·· और··
कूं कूं !
·· मैटी ने भी तीन छोटे-छोटे च्याऊं-म्याऊं जने हैं !
पिल्लों का क्या नाम रखा जाये ?
शायद माइकेल और रंगा कोई नाम सुझा पायें ···
लैब में कोई भी न था–
यह दोनों अपने कमरे में ही पड़े रहते हैं अधिकतर ! लैब में कम ही आते हैं। कैसे आदमी रखे हैं सपोला ने !
खुराना उनके कमरे की ओर चल दिये–

दरवाज़े पर ठिठक गये खुराना के पैर–
यहां क्या हो रहा है ? तुमने..
माइकेल.. खुराना !
हेल्लेल्ल..
ह्रीऽऽऽ !
.. क्या यहां मेरी जानकारी के बगैर कोई प्लांट लगाया है ? क्या बनाते हो तुम चोरी-चोरी यहां ?
इन थैलियों में क्या है ?
इसका उत्तर सपोला जी देंगे ! हम तो कर्मचारी हैं उनके !
ओ गॉड ! ओ माई गॉड !!
यह तो कोकीन है !
मामला तूल पकड़ने लगा–
बंद करो यह गैरकानूनी काम !
हमारे कानून तो सपोला जी हैं !
सूचना पाते ही सपोला आ धमका उसी शाम–

और शुरू हुआ एक घिनौना नाटक-
कोकीन बनाने का प्लांट तुमने लगवाया -- धोखा किया मेरे साथ...!!
जमूरे, तेरे अनुसंधान का भारी खर्च इसी तरह तो निकलेगा ! तू अपना रिसर्च कर और मुझे कमाने दे पैसे कोकीन बना कर.. समझा ?
ब्लू मैक्स एग्रो इण्डस्ट्रीज़ तो पर्दा है मेरा -- असली धंधा तो ड्रग्ज़ और स्मग्लिंग है प्यारे दोस्त एंड पार्टनर खुराना साहब !
मुझे दोस्त मत कहो ! तुम धो..धोखेबाज़ हो -- गद्दार हो !!
सौ में से निन्यानवे बेईमान, फिर भी मेरा देश महान ! हा-हा-हा-हा !
मैं अभी पुलिस को टेलीफोन करता हूं !
रुक जा मूर्ख ! क्यों अपनी मौत का नम्बर मिला रहा है !!
एक गुंडे ने खुराना पर रिवॉल्वर तान दिया-
अपने मालिक को खतरे में देख लाइका पिस्तौल ताने गुंडे पर झपटी-
गुर्र्र्र्र
भइया, होशियार ! मार दे इसे !

तूने मेरी लाडका को मार डाला ! मैं नहीं छोड़ूंगा तुझे.. तुम सब को.. नहीं छोड़ूंगा !
धांय! धांय!
दूसरा गुंडा खुराना की ओर लपका तो उसके बूटों ने कुचल डाला तीन-चार पिल्लों को-
नहींऽऽ!
फिर रौंद डाली उसके बूटों ने वह टोकरी जिसमें बिल्ली के बच्चे थे..
हे राम ! हे राम !!
सपोला को पुलिस की धमकी दे रहा था, अमूरे का बच्चा !
बॉस, लाशों का क्या करें ?

फिक्र न करो, खुराना का न कोई रिश्तेदार है न अड़ोस-पड़ोस में जान-पहचान। यहां कोई नहीं आयेगा।
सारी लाशें इसी गड्ढे में दफना दो। फिर कमरे से दाग-धब्बे साफ करके हम चल देंगे।
माइकेल, तुम दाढ़ी बढ़ा कर खुराना बन जाओ। अब सारा फार्म हमारा हो गया ही समझो।
हम एक महीने बाद आयेंगे। तब तक कुछ हो-हल्ला मच भी जाये तो भी शांत हो गया होगा।
और सपोला गैंग वहां से चल पड़ा–
मैटी एक टूटी खिड़की से फार्म हाउस में घुसी। अंदर सब कुछ साफ किया जा चुका था। मैटी को देख मात्र दो बच्चे पिल्ले सोफे के नीचे से निकल आये–
दोनों अनाथ पिल्ले मैटी को घेर रोने लगे। मैटी स्वयं भी अपने बच्चों के शोक में विह्वल हो रही थी–
उस रात फार्महाउस से देर तक तीन रोने की चीत्कार आवाजें उठती रहीं।

मेटी ने पिल्लों की मां का दायित्व सम्भाल लिया-
अब वह भोजन की तलाश में प्रायः इधर-उधर घूमती रहती- बदले पिल्ले अधिक दूध की मांग करने लगे थे-
एक दिन मेटी पिल्लों को दूध पिलाने आई तो उसने देखा...
"लैब में दोनों पिल्ले एक पौधे की टहनियां बड़े चाव से चबा रहे थे.. विचित्र पौधा जो आश्चर्यजनक रूप से बढ़ कर टेबल के नीचे झूलता हुआ फर्श पर फैल रहा था। उसकी जड़ें टेस्ट ट्यूब के शीशों की भी अपने आकार में ढालती हुई स्वयं को फैला रही थीं-
मेटी ने भी कौतूहलवश एक टहनी चबाई। उसका स्वाद चिकन की हड्डियों जैसा लजीज था-
फिर वे तीनों स्वयं को उस पौधे को पूरा चट कर जाने से न रोक पाये-
तीनों पर एक खुमारी-सी छा गई उस रात। पिल्ले दूध पिये बिना सो गये, रात भर उनके शरीर में अजीब कुनमुनाहट-सी होती रही-

आया था। एक

मनुष्यों के मुंह से निकलने वाली तो आवाजें अब तक अर्थहीन थीं, उनमें छिपा अर्थ अब अच्छी तरह समझ में आने लगा था मैटी को
रुक जा . क्यों अपनी मौत को ... रहा है...
तुमने मार डाला मेरी लड़की को.
नहीं
...बैंक तो पर्दा है मेरा, असली धंधा तो स्मगलिंग है प्यारे पार्टनर और दौलत कमाना...
हे राम हे राम !

...चलते हैं. एक महीने बाद लौट आयेंगे तब तक

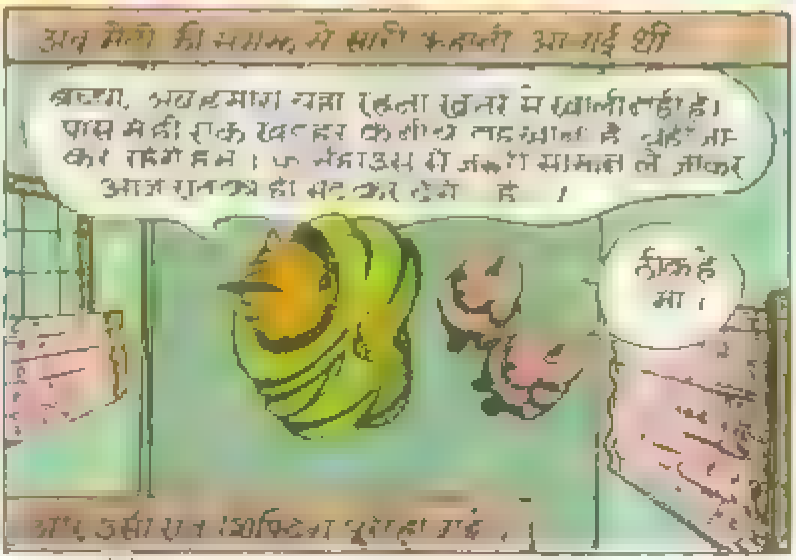
अब मैटी की समझ में सारी कहानी आ गई थी
ठीक है मां ।

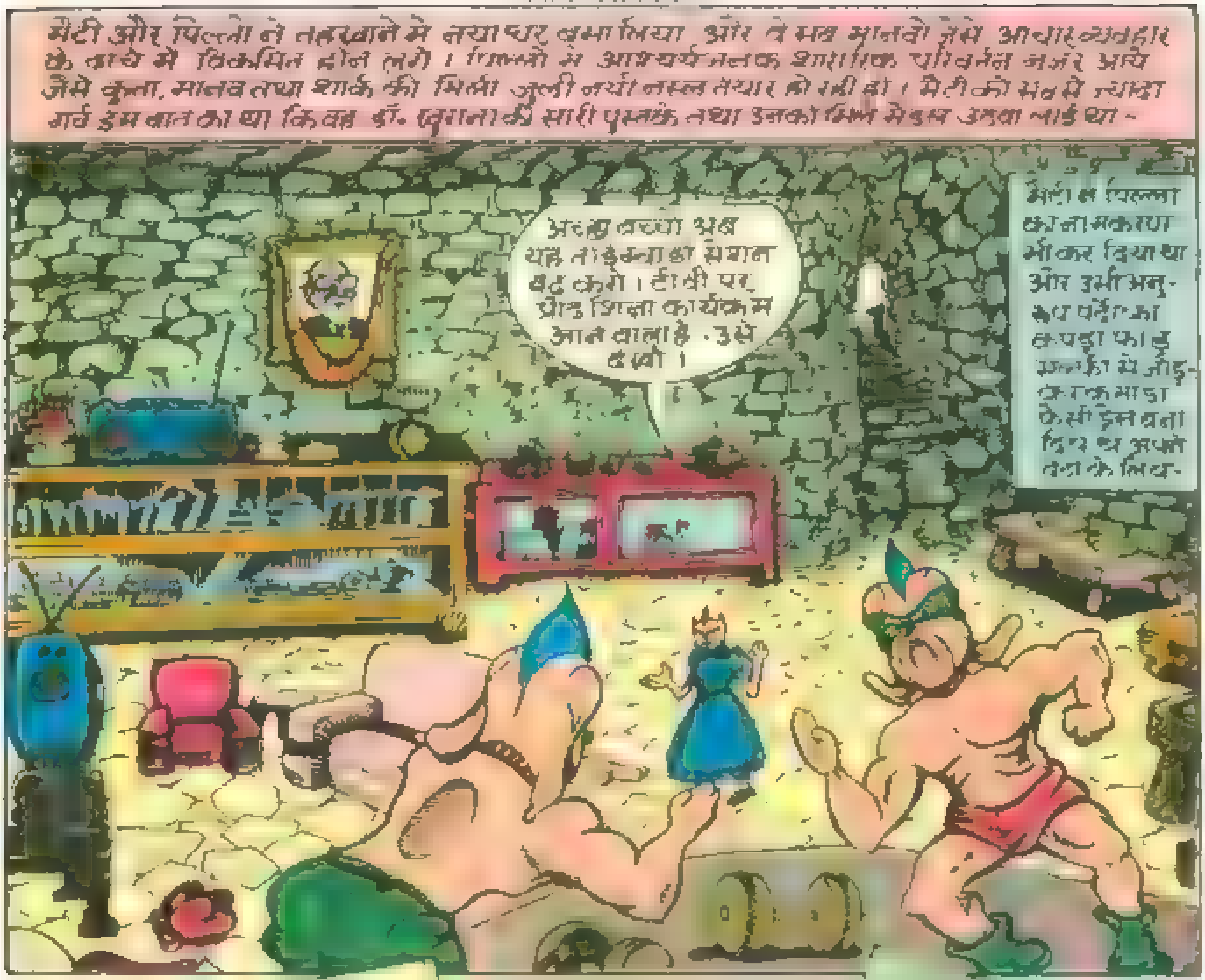
मेटी और पिल्लो ने तहखाने में नया घर बसा लिया और वे सब मानवों जैसे आचार-व्यवहार के दायरे में विकसित होने लगे। पिल्लों में आश्चर्यजनक शारीरिक परिवर्तन नजर आये जैसे कुत्ता, मानव तथा शार्क की मिली जुली नयी नस्ल तैयार हो रही हो। मेटी को मन में ज्यादा गर्व इस बात का था कि वह डॉ. खुराना की सारी पुस्तकें तथा उनका फिल्म मेडल उठवा लाई था -
अच्छा बच्चो अब यह ताइक्वांडो का सेशन बंद करो। टीवी पर प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम आने वाला है - उसे देखो।
मेटी ने पिल्लो का नामकरण भी कर दिया था और उसी अनुरूप पर्दों का कपड़ा फाड़ फाड़ कर जोड़-जाड़ कर कैसी ड्रेस बना दिए थे अपने बच्चों के लिए-

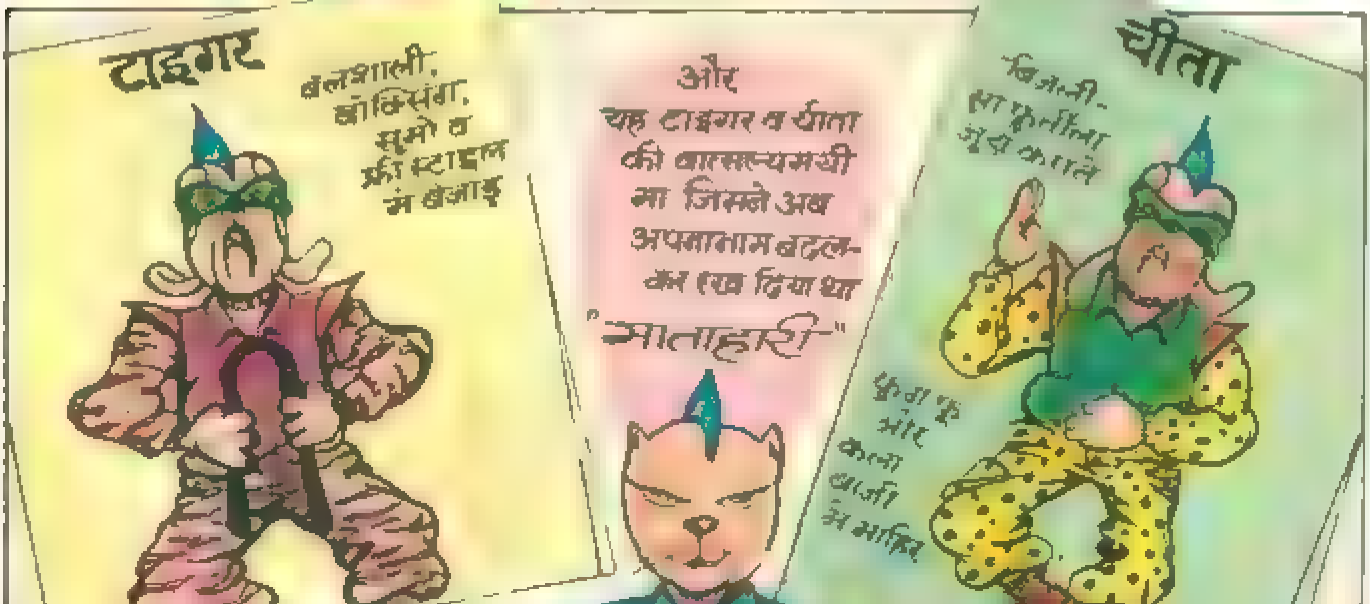
टाइगर
बलशाली, बॉक्सिंग, सूमो व फ्री स्टाइल में लड़ाकू
और यह टाइगर व चीता की वात्सल्यमयी माँ जिसने अब अपना नाम बदल कर रख दिया था
"माताहारी"
चीता
बिजली-सा फुर्तीला जूडो कराटे
कुंग फू और कला बाजी में माहिर

संयोग से खंडहर के पास ही सीमा सुरक्षा बल का कमांडो ट्रेनिंग रेंज था। मातारानी पेड़ पर चढ़ उन के प्रशिक्षण को ध्यान से देखती और नोट करती
और रात को वही दांव-पेंच टाइगर व चीता पर दोहराती।
इस सब दिनचर्या के बाद मातारानी अपने कमांडो बच्चों के पोषण, भोजन का पूरा ध्यान रखती थी। खंडहर के चारों ओर हरी फार्म पोल्ट्री फार्म और सब्जियों के खेत थे, अतः खुराक जुटाने की समस्या नहीं थी।
चीता! तू गाजर व हरी सब्जियाँ छोड़ देता है, बेटा ये तेरे लिए जरूरी है.. खाया कर।
ओके ओके मम।
गाजर और टमाटर यह बेंच के नीचे फेंक देता है मम्मी।

इसी प्रकार दिन गुजरते गये। मालाहारी ने उन दोनों को चालक कमांडोज़ के रूप में ...
टाइगर व चीता ने मालाहारी को सलामी दी। मालाहारी ने उनको माथा-चूम कमीशन प्रदान किया
तथा उन्हें नाम दिया -
मालाहारी के आदेश पर उनकी दैनिक ट्रेनिंग जारी रही
अम्मा अब तो सीखने के लिये भी कुछ नहीं रहा। क्या रोज़ हमारी ट्रेनिंग पसली एक करती रहती हो?
बेटे, समय आने पर सब बता दूंगी।
एक दिन टी.वी. पर समाचारों में -
"दोनों आतंकवादी पुलिस के साथ मुठभेड़ में मारे गये। इनके सिर पर
ऐ टाइगर चीता इधर सुनो। मैंने इन दो आतंकवादियों को कई खबरों में घूमते देखा है
तो ?

अरे बुद्धुओं इसका मतलब है उनके हथियारों का जखीरा इन्हीं खंडहरों में कहीं होना चाहिये. ढूंढो...!
ढूंढो!
और मिल ही गया
ज़खीरा!
वह सब मिल गया जिसकी मुझे तलाश थी स्टनगन, कारतूस, हैंड-ग्रेनेड - आर.डी.एक्स!
अम्मा, हमें बस दो दिन चाहिये इन हथियारों से प्रैक्टिस के लिये।
दोनों कमांडोज को अपने सामने बिठाया।
मेरे बच्चो, तुम दोनों कई बार पूछ चुके हो कि मैं क्यों तुम्हें कमांडो ट्रेनिंग देती रही हूं। अब यह सब बताने का समय आ गया है। अपना दिल कड़ा कर लो और सुनो हम तीनों की कहानी

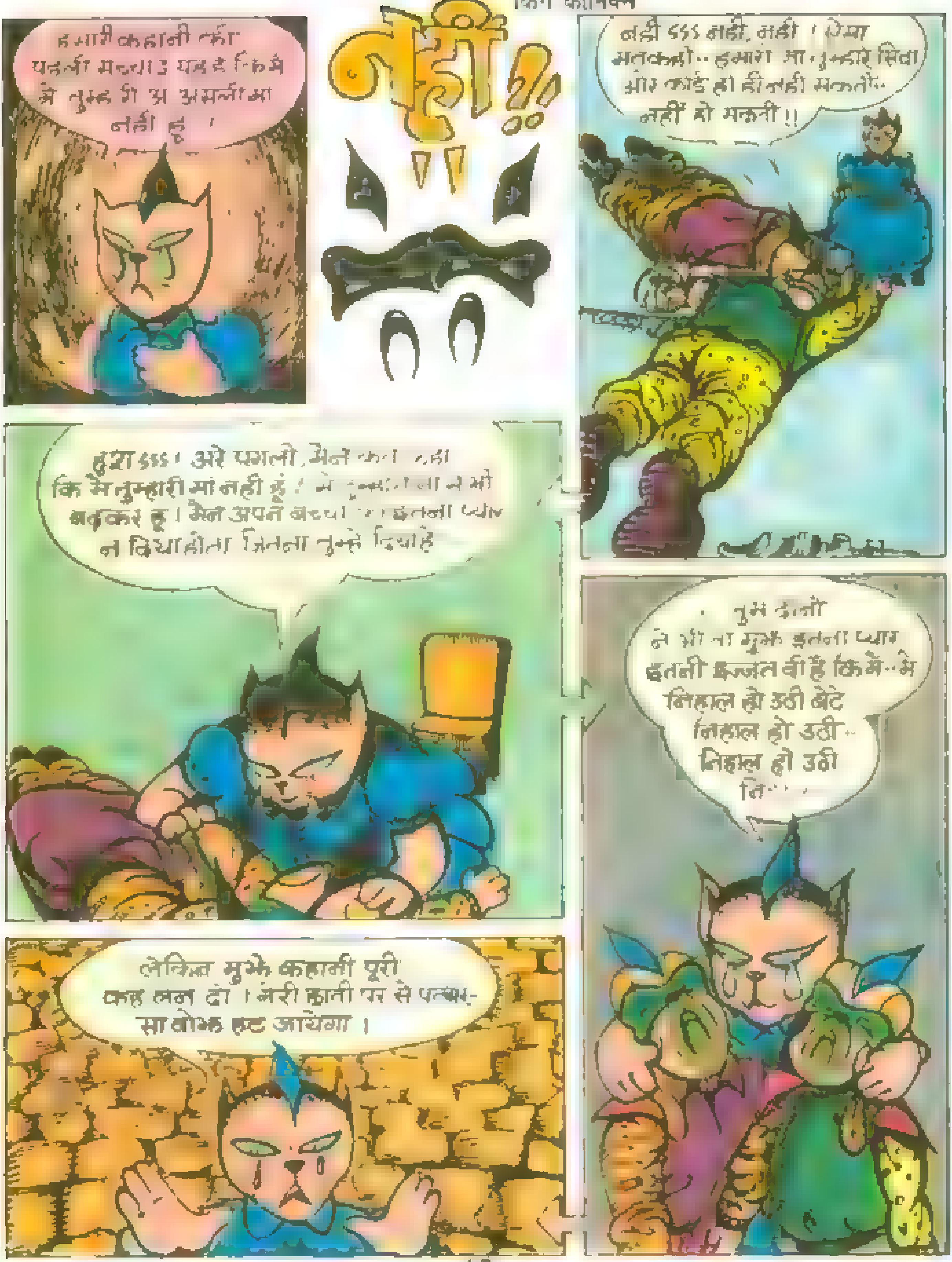
हमारी कहानी का
नहीं हूं।
नहीं!!
नहीं ऽऽऽ नहीं, नहीं! ऐसा
मत कहो.. हमारी मां तुम्हारे सिवा
और कोई हो ही नहीं सकती..
नहीं हो सकती!!
हुआ ऽऽऽ। अरे पगलो, मैंने
कि मैं तुम्हारी मां नहीं हूं!
बढ़कर हूं। मैंने अपने
न किया होता जितना तुम्हें दिया है
तुम दोनों
ने मुझे इतना प्यार
इतनी इज्जत दी है कि मैं.. मैं
निहाल हो उठी बेटे
निहाल हो उठी..
निहाल हो उठी
लेकिन मुझे कहानी पूरी
कह लेने दो। मेरी छाती पर से पत्थर-
सा बोझ हट जायेगा।

और मानसरी ने सुना डाली हंटर शार्कों को सारी दर्दनाक कहानी —
यह दो वर्ष मैं बदले की आग में जलती रही हूं। मेरा सीना ज्वालामुखी बन गया है मेरे बच्चो। तुम्हें कमांडो बनाने का यही उद्देश्य था कि शायद
हमें बस आज्ञा भर दो मां!

ना ठीक है। कल रात मैं फार्म का सर्वे कर आई हूं। वह रखवाला दल बल सहित फार्म पर ही डेरा डाले है। यही मौका है मेरे हंटर शार्क बेटो!
आज से सौ वर्ष पूर्व आज ही के दिन उन निर्दयी लोगों ने खुराना जी की हत्या की थी
लाइका और मुकेश ... बेटियों की तरह दुलारते थे
तुम्हें हिसाब चुकाना है आज रात। खुराना जी के सिर से बहे खून के एक-एक कण का, बूटों तले रौंदे जाते मेरे मासूम बच्चों की हर चीख का, कुचले जाते अपने भाई बहनों की हर आर्तनाद का, अपनी मालाइका के लहू से भीगे एक-एक रोम का! आज तुम्हारी माँ मालाइका तुमसे अपने दूध की कीमत माँग रही है... जाओ!

और माताहारी से आशीर्वाद लेकर चल पड़ा हंटर शार्क फोर्स अपने प्रथम मिशन पर, दिलों में प्रतिशोध का तूफान लिये –
जय महाकाल !
हूऽऽऽऽऽऽऊ
पीले चाँद पर खून का छिड़काव करते बादल, खंडहर में मुँह उठाये रोता सियार और काले परों के साये उड़ते चमगादड़ों के दल संकेत दे रहे थे कि आज किसी की मौत आई है। किसकी?
उधर फार्म पर जश्न मनाया जा रहा था –
आज दूसरी सालगिरह है फार्म पर हमारा कब्जा होने की और उस पागल वैज्ञानिक खुराना के यमलोक सिधारने की।
याद है, जब मैंने डंडा मारा था तो कैसे फटा था उसका सिर पके तरबूज की तरह··
फच्च !
कुत्ते की मौत मरा था बेचारा।

और मैंने जब उन गंदे पिल्लों पर पैर रखा तो ऐसा लगा जैसे सड़े आलुओं की बोरी पर पैर पड़ गया हो मेरा।
फार्म के गेट पर पहरेदार आपस में बतिया रहे थे -
जोरदार पार्टी चल रही है आज अंदर
हमारा बारी भी आयेगा
तभी गेट के पहरेदारों के सिर के ठीक ऊपर दीवार पर प्रकट हुए दो साये
चीता हवा में लहराया
दूसरे ही पल चीते का एक हाथ एक पहरेदार की गर्दन में था और दूसरे पहरेदार की गर्दन उसकी टांगों के शिकंजे में -

पट!
दूसरे पहरेदार ने चिल्लाने के लिये मुंह खोला ही था कि, ...
छप्प!
ऊपर से कूदकर आते टाइगर ने एक ही झटके में अपनी स्टेनगन का बट उसके मुंह में ठूंस दिया
माइकेल और रंगनाथ को कमरा पहले वहीं चलें।

दोनों रेंगकर कमरे की खिड़की के पास पहुंचे-
श SSS! वही दोनों हैं! कोकीन बना रहे हैं!
माइकेल कोई खिड़की से झांका भाई!
शेटड़ी होगा।
शेटड़ी नहीं! एक बड़ी अजीब-सी शक्ल थी
पीछे टाइगर कमरे में प्रवेश कर चुका था-
अच्छी तरह देख ले अजीब-सी शक्ल!
क क अ अ ई ई
इससे पहले कि रंगनाथ के मुंह से चीख निकलती...
...उसका जबड़ा टूट चुका था!
क कौन हो तुम?
यह ले मेरा विज़िटिंग कार्ड!
?
टाइगर ने अचेत रंगनाथ को मिसाइल बनाकर फेंका माइकेल की ओर

मैंने दोनों को बोरी में फेंक कर दिया है हरिद्वार भेजने के लिये।
गति से उसकी ओर बढ़ रहे थे—

मुझे अद्र खबर कर देनी चाहिये।
सुनते हैं वह खुराना था बड़ा जीनियस साइंटिस्ट तेज-दिमाग।
हाह जीनियस! उसके फटे सिर से भेजा तो बकरे के जैसा ही निकला था।
खाडू, आज मुझे अजीब-सा महसूस हो रहा है। बाहर बड़ी अजीब-सी चुप्पी छाई है ... जैसे जैसे..
जैसे तूफान आने से पहले होता है?

माइकेल और रंगा को भी बुलाओ ! आज पार्टी है कामकी छुट्टी।
मुच्छा, है नहीं दोनों कमरे में।
हैं नहीं?
मुच्छा कमरे की ओर चल दिया
चीते, अब हम युद्ध की घोषणा करनी चाहिये
कर दो...
यार मजा नहीं आया' कोई दवा का प्रोग्राम ही नहीं है
खुराना की आत्मा की शान्ति के लिये कोई डोस होना चाहिये प्राण !!

हिच्च-खुराना की आत्मा
की-हिच-आत्मा की
शायद हंटर शार्क फोर्स ने युद्ध की घोषणा कर दी
शान्ति आह
फर्श पर लेट जाओ

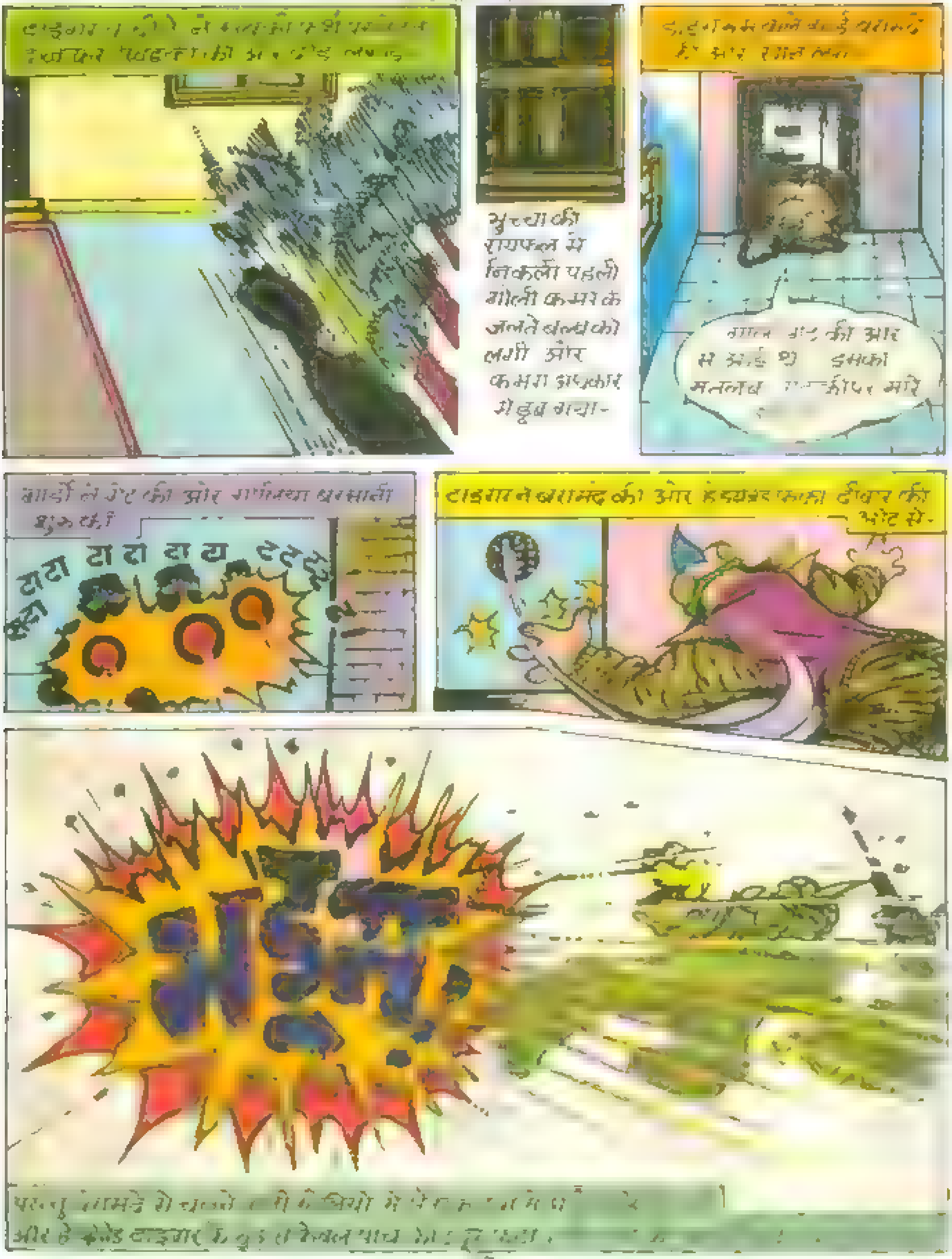
मुच्छा की रायफल से निकली पहली गोली कमरे के जलते बल्ब को लगी और कमरा अंधकार में डूब गया-

होशियार
पीठ के बल गिरते ही चीता चिल्ला-कर आसमान की ओर गोलियां दागने लगा -
यही है जल्लाद यह।
खाडू होशियार हमें देख लिया है इन्होंने!
कुचल डालूंगा तुझे कमीने।
और कूद पड़ा छत से खाडू चीते के ऊपर गिरकर उसे कुचल डालने के लिए!
उधर टाइगर एक ही कलाबाजी में खिड़की से कूद कर ड्राईंगरूम में आ गया -
यह कौन-सा जानवर है या आदमी?

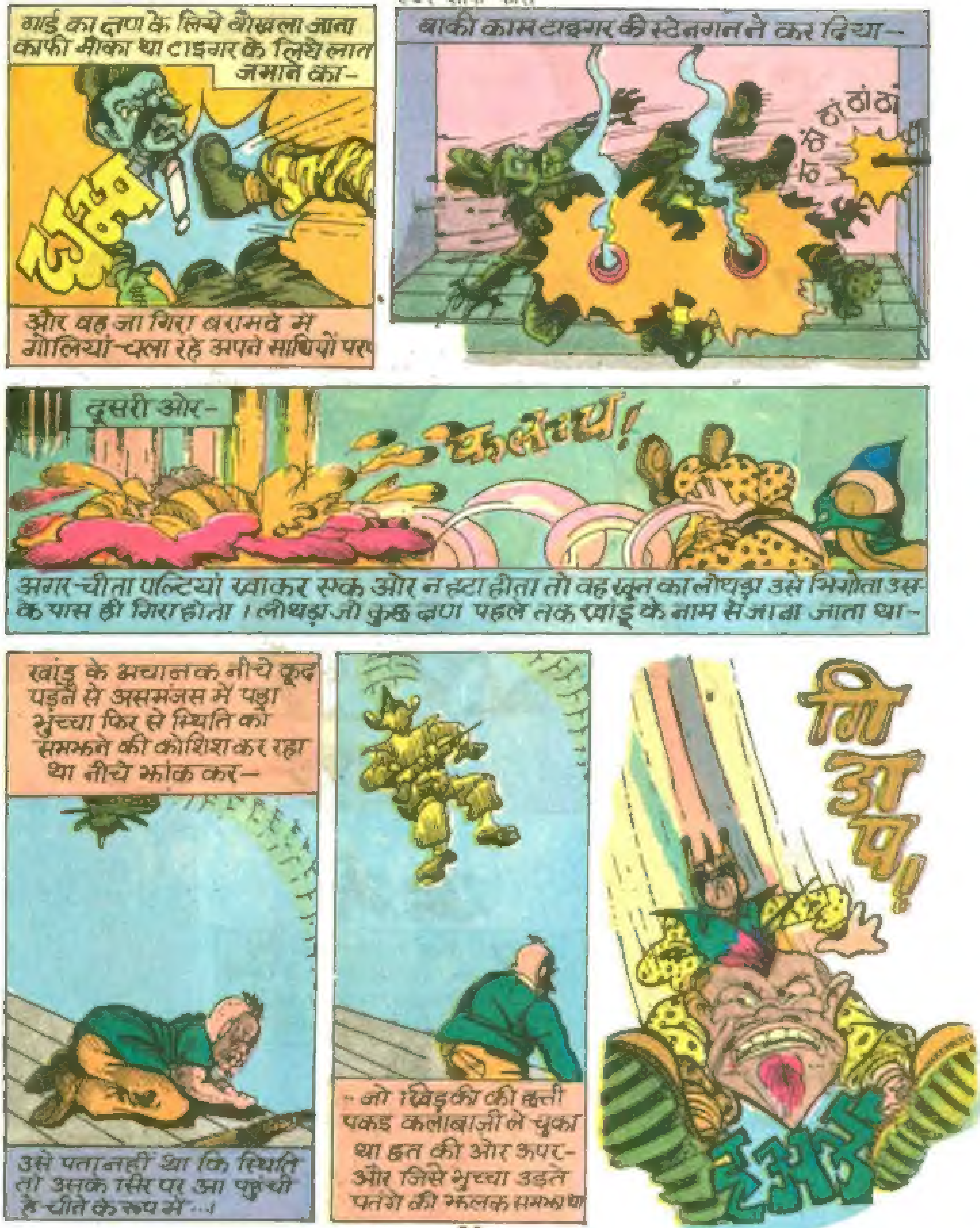
खाडू का क्षण के लिये बौखला जाना काफी मौका था टाइगर के लिये लात जमाने का–
और वह जा गिरा बरामदे में गोलियां चला रहे अपने साथियों पर।
बाकी काम टाइगर की स्टेनगन ने कर दिया–
दूसरी ओर–
अगर चीता पल्टियां खाकर एक ओर न हटा होता तो वह खून का लोथड़ा उसे भिगोता उसके पास ही गिरा होता। लोथड़ा जो कुछ क्षण पहले तक खाडू के नाम से जाना जाता था–
खाडू के अचानक नीचे कूद पड़ने से असमंजस में पड़ा भुच्चा फिर से स्थिति को समझने की कोशिश कर रहा था नीचे झांक कर–
उसे पता नहीं था कि स्थिति तो उसके सिर पर आ पहुंची है चीते के रूप में...।
–जो खिड़की की छत्ती पकड़ कलाबाजी ले चुका था छत की ओर ऊपर–
और जिसे भुच्चा उड़ते पतंगे की झलक समझा था

उसी अवस्था में वे नीचे गिरने लगे–
क..कौन हो तुम ? आदमी हो या..या..या...
हमें छोड़ दो प्लीज..मत मारो। अब हम कभी सपोला से बिजनेस नहीं करेंगे।
हम मेहमान हैं सर-गेस्ट।
मेहमान हैं सर, हम दोनों।
सर, मेरे तीन छोटे-छोटे बच्चे हैं... रिंकू, पिंकू और बेबी।
टाईगर ने उन्हें नहीं रोका.. केवल सीटी बजाई एक–
दरवाज़े से बाहर निकलते ही दौड़ पड़े मेहमान गेट की दिशा में। लॉन में अच्चा की गर्दन पर सवार आ गिरे चीते ने सीटी की आवाज़ सुन ली थी–
टट टट
चीते की गन उठी और दोनों मेहमान कटे पेड़ की तरह गिर पड़े गोलियों से बिंधकर।

क-कौन हो तुम ? क्या बिगाड़ा है मैंने तुम्हारा ? क्यों यह सब मार-काट मेरा नुकसान…!
जानना चाहता है ?
याद है खुराना साहब की एक हंटर कुतिया थी, लाइका, जिसे तुम लोगों ने मार डाला था ! हम उसी के बच्चे हैं ! और उस बिल्ली ने हमें पाला जिसके बच्चे तुम लोगों ने कुचल डाले थे ज़ालिमो !
कुतिया-बिल्ली, इंसान बच्चे… ??? समझ नहीं आया…!
कुतिया ? हां-हां, भूच्या ने मारा था उसे- भूच्या ने- मैंने बहुत कहा मत मारो- अच्छे नस्ल की है…!
भूच्या ?
टाइगर, इससे कुछ पूछना है ? यह अपना नाम भूच्या बता रहा है !
इससे पहले कि चीता कुछ समझ पाता टाइगर फर्श पर से टूटी बोतल उठाकर पूरी भूच्या की छाती में घोंप चुका था।

Printed at Japan Art Press, New Delhi-28. ☎ 5708884